National Conference on Advanced Research in Science, Engineering, Management, Social Sciences & Humanities (NCARSEMSSH – 2021)

31st January, 2021

CERTIFICATE NO : NCARSEMSSH/2021/C0121113

नजी और सरकारी स्कूलों में छात्रों में सहपाठ्य आचरण अभ्यास के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

THORAT KALPANA VIJAYKUMAR

Research Scholar, Department of Education,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore M.P., India.

सारांश

छात्राओं की बेहतर और उपयोगी शिक्षा के लिए यह आवश्यक है कि वे स्कूल के माहौल में और यहां तक कि घर पर भी सभी प्रकार की समस्याओं और तनावों से मुक्त हों। इसलिए, यह अनिवार्य हो जाता, कि इन समस्याओं की प्रकृति को समझने और इन समस्याओं के त्वरित और व्यावहारिक समाधान के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए सभी हितधारक शामिल हों। और एक प्रशंसनीय समाधान निकालने के लिए समस्याओं और अंतर्निहित कारणों को समझना काफी आवश्यक है। सरकारी और निजी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में लड़कियों की उपस्थिति की मौजूदा स्थिति पर बहुत आवश्यक डेटा प्रदान करता है। निष्कर्षों से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि बहुत कम प्रतिशत छात्राओं का स्कूल में प्रतिदिन प्रवेश होता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि सरकार उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन जैसे छात्रवृत्ति, स्कूल की वर्दी, साइकिल आदि के रूप में जो भी सुविधा प्रदान कर रही है, वे स्कूलों में नहीं हैं। यह इंगित करता है कि चीजों को स्थापित करने की तत्काल आवश्यकता है या आने वाले समय में स्थिति और खराब हो जाएगी। पचास प्रतिशत से अधिक छात्राओं ने व्यक्तिगत रूप से लैंगिक भेदभाव का सामना करने की सूचना दी। परिणामों से पता चला कि लड़कियों के साथ उनके माता–पिता से ज्यादातर भेदभाव किया जाता है। शोध से पता चलता है कि बालिका शिक्षा के महत्व पर जन जागरूकता होनी चाहिए। बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करने का एकमात्र व्यवहार्य और दीर्घकालिक तरीका उन्हें शिक्षित करना है। बालिकाओं को शिक्षित करके हमने महिलाओं को सशक्त बनाने की प्रक्रिया शुरू की है, जो न केवल अपने अधिकारों की रक्षा करने और सम्मान के साथ जीने में सक्षम होंगी बल्कि पूरे समाज के विकास में भी योगदान देंगी।